3. रामधारी सिंह 'दिनकर' के गांव का नाम है –
(a) मायापुर ☐ (b) बेनीपुर
(c) सिमरिया घाट ☑ (d) पथरिया घाट

4. दिनकर जी का जन्म हुआ था –
(a) 1905 ई० में ☐ (b) 1907 ई० में
(c) 1908 ई० में ☐ (d) 1909 ई० में

5. दिनकर जी इस धराधाम से कूच कर गये –
(a) 1971 ई० में ☐ (b) 1974 ई० में
(c) 1975 ई० में ☐ (d) 1978 ई० में

6. 'मनुष्य और सर्प' पाठ दिनकर जी की किस रचना से लिया गया है?
(a) उर्वशी ☐ (b) कुरुक्षेत्र
(c) परशुराम ☐ (d) रश्मिरथी

7. 'रश्मिरथी' किसे कहा गया है?
(a) कर्ण को ☑ (b) अर्जुन को
(c) धर्मराज को ☐ (d) दुर्योधन को

8. अश्वसेन किस वंश से सम्बन्धित था?
(a) नागवंश ☑ (b) कुरुवंश
(c) सूर्यवंश ☐ (d) चन्द्रवंश

9. अश्वसेन किसका दुश्मन था?
(a) भीम का ☐ (b) अर्जुन का
(c) धर्मराज का ☐ (d) नकुल का

10. अश्वसेन की अर्जुन के साथ दुश्मनी क्यों थी?
(a) अर्जुन कर्ण का प्रतिद्वन्द्वी था ☐
(b) अर्जुन ने उसके तक्षक वंश के आश्रय खाण्डव वन को जला दिया था ☑
(c) अर्जुन को मार अश्वसेन दुर्योधन को खुश करना चाहता था ☐
(d) अर्जुन मानव वंश का था ☐

11. महाभारत का रण कहाँ हो रहा था?
(a) कुरुक्षेत्र में ☑ (b) सोनीपत में ☐
(c) बक्सर में ☐ (d) हल्दीघाटी में ☐

12. महाभारत का युद्ध किनके बीच हो रहा था?
(a) कौरवों और पांडवों में ☑ (b) भीम और दुर्योधन में ☐
(c) राम और रावण में ☐ (d) हनुमान और बालि में

14. कर्ण को राधेय क्यों कहा जाता है ?
(a) कर्ण राधा का पुत्र था ☐ (b) राधा ने कर्ण का पालन-पोषण किया था ☑
(c) कृष्ण की प्रेमिका राधा को मातृवत मानता था ☐ (d) उसे यह नाम प्रिय था ☐

15. इस पाठ में वर्णित युद्ध किनके बीच हो रहा था ?
(a) दुर्योधन और भीम में ☐ (b) धृष्टद्युम्न और द्रोणाचार्य में ☐
(c) जयद्रथ और अर्जुन में ☐ (d) कर्ण और अर्जुन में ☑

16. मनुष्य और सर्प कविता किस रस में है ?
(a) करुण रस में ☐ (b) वात्सल्य रस में ☐
(c) वीभत्स रस में ☐ (d) वीररस में ☑

17. 'धरित्री का सुहाग' क्यों जल रहा था ?
(a) रावण के अत्याचार के कारण ☐ (b) दुर्योधन के पाप से ☐
(c) महाभारत के युद्ध से ☑ (d) देवताओं पर होनेवाले अत्याचार से ☐

18. क्या एक होकर बह रहा था ?
(a) रक्त ☐ (b) पशुओं का रक्त ☐
(c) मनुष्य का रक्त ☐ (d) पशुओं और मनुष्यों का रक्त ☑

19. कर्ण और अर्जुन दोनों नर बल और सामर्थ्य में –
(a) असमान थे ☐ (b) समान थे ☑
(c) थोड़ा अन्तर था ☐ (d) नहीं कहा जा सकता ☐

20. निषंग या तरकश की ओर कर्ण ने क्यों देखा ?
(a) तीर लेने के लिए ☑ (b) गर्दन को ठीक करने के लिए ☐
(c) शत्रुओं की ओर दृष्टि करने के लिए ☐ (d) अकारण ☐

21. जब कर्ण ने निषंग की ओर देखा, उसे तरकश में क्या दिखा ?
(a) वाण ☐ (b) अग्नि की वर्षा करने वाला वाण ☐
(c) विषधर सर्प ☑ (d) कुछ नहीं ☐

22. अश्वसेन कौन था ?
(a) भुजंगों का स्वामी ☑ (b) घोड़ों का स्वामी ☐
(c) सेनापति ☐ (d) साधारण सैनिक ☐

23. अश्वसेन कर्ण को अपना मित्र क्यों बनाना चाहता था ?
(a) अर्जुन को मारकर उससे दुश्मनी का बदला लेने के लिए ☑
(b) क्योंकि कर्ण सूर्यपुत्र था ☐
(c) कर्ण बहादुर था ☐
(d) अकारण ☐

24. अश्वसेन अर्जुन में विष उतारकर उसे कहाँ सुलाना चाहता है ?
(a) कृष्ण की गोद में ☐ (b) युद्धक्षेत्र में ☐
(c) पृथ्वी पर ☐ (d) रथ में ☑

25. अर्जुन को 'महाशत्रु' किसने कहा?
(a) कर्ण ने ☐ (b) अश्वसेन ने
(c) दोनों ने ☐ (d) किसी ने नहीं

26. अश्वसेन क्या इकट्ठा किए हुए था?
(a) सर्पों की सेना ☐ (b) अर्जुन के शत्रुओं को
(c) जन्मभर का विष ☑ (d) अनेक अस्त्र-शस्त्र

27. मनुष्य के जय का साधन कहाँ रहता है?
(a) भुजाओं में ☑ (b) कूटनीति में
(c) अस्त्र-शस्त्रों में ☐ (d) हिम्मत में

28. 'रे कुटिल' किसे कहा गया है?
(a) अर्जुन को ☐ (b) कर्ण को
(c) अश्वसेन को ☑ (d) किसी को नहीं

29. कर्ण किससे मिलकर अर्जुन से युद्ध करने को प्रस्तुत नहीं था?
(a) अर्जुन के दुश्मनों से ☐ (b) साँपों से
(c) पशुओं से ☐ (d) किसी से मिलकर नहीं

30. कर्ण अश्वसेन की सहायता से अर्जुन का वध करना क्यों नहीं चाहता था?
(a) अर्जुन कर्ण का भाई था
(b) कर्ण अर्जुन से डरता था
(c) कर्ण कायर था
(d) कर्ण सर्प की सहायता से मनुष्य की हत्या को अपने आचरण के अनुकूल नहीं मानता था

31. अश्वसेन के नरों में छिपे वंशज कहाँ मिलते हैं?
(a) गाँवों में ☐ (b) वन में
(c) शहरों में ☐ (d) सर्वत्र

32. नर भुजंग क्या करते हैं?
(a) मानवता का मार्ग सुगम कर देते हैं ☐ (b) मानवता का मार्ग कठिन कर देते हैं
(c) कुछ नहीं करते ☐ (d) सबकुछ कर देते हैं

33. मनुष्य-मनुष्य का संघर्ष कैसा है?
(a) सनातन ☐ (b) दो जन्मों का
(c) तीन जन्मों का ☐ (d) इसी जीवन का

34. मनुज का सहज शत्रु किसे कहा गया है?
(a) जानवरों को ☐ (b) बिच्छू को
(c) सर्प को ☑ (d) तीनों को

❑ अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों में उत्तर दें) ❑

नोट : *ये प्रश्न 1 अंक के होंगे जिनका उत्तर अनधिक 20 शब्दों में देना है। ये प्रश्न, प्रश्न संख्या 2 के अन्तर्गत पूछे जायेंगे।*

Q.1. 'मनुष्य और सर्प' कविता के लेखक कौन हैं?

उ० : 'मनुष्य और सर्प' कविता के लेखक श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।

Q.2. 'मनुष्य और सर्प' कविता में मनुष्य और सर्प का नाम बताइये।

उ० : 'मनुष्य और सर्प' कविता में मनुष्य कर्ण है और सर्प अश्वसेन है।

Q.3. 'मनुष्य और सर्प' किस युद्ध से सम्बन्धित कविता है?

उ० : 'मनुष्य और सर्प' कविता महाभारत के युद्ध से सम्बन्धित कविता है।

Q.4. महाभारत के युद्ध के सबसे बड़े प्रतिद्वन्द्वी कौन थे?

उ० : महाभारत के युद्ध के सबसे बड़े प्रतिद्वन्द्वी अर्जुन और कर्ण थे।

Q.5. अर्जुन और कर्ण की माता कौन थीं?

उ० : अर्जुन और कर्ण की माता कुंती थीं।

Q.6. कर्ण को राधेय क्यों कहा जाता है?

उ० : कर्ण के जन्म के बाद कुमारी कुंती ने उसे जल में प्रवाहित कर दिया, जिसका पालन-पोषण राधा ने किया, अत: कर्ण को राधेय कहा जाता है।

Q.7. अर्जुन को कौन्तेय क्यों कहा जाता है?

उ० : अर्जुन को कुन्ती का पुत्र होने के कारण कौन्तेय कहा जाता है।

Q.8. 'मनुष्य और सर्प' कविता में किस दृष्टिकोण का वर्णन हुआ है?

उ० : 'मनुष्य और सर्प' कविता में मानवतावादी दृष्टिकोण का वर्णन हुआ है।

Q.9. 'मनुष्य और सर्प' कविता का मूल भाव क्या है?

उ० : 'मनुष्य और सर्प' कविता का मूल भाव यह है कि शत्रुता कभी शाश्वत नहीं होती, अत: शत्रुता का बदला किसी प्रकार नहीं लिया जाना चाहिए।

Q.24. मनुष्य के साथ मनुष्य की शत्रुता कितने दिनों की होती है?

उ० : मनुष्य के साथ मनुष्य की शत्रुता मात्र एक जीवन की होती है।

Q.25. "इस जीवन-भर ही तो है।" इस पंक्ति से किस सनातन धर्म की पुष्टि होती है?

उ० : उपर्युक्त पंक्ति यह स्पष्ट करती है कि जबतक मनुष्य को मुक्ति नहीं मिलती तबतक उसका पुनर्जन्म होता रहता है।

Q.26. 'मनुज का सहज शत्रु' किसे कहा गया है?

उ० : मनुष्यता का सहज शत्रु सर्प को कहा गया है।

Q.27. प्रस्तुत पाठ की अन्तिम पंक्ति में किस कलंक की बात कही गई है?

उ० : 'मनुष्य द्वारा सर्प से मिलकर मनुष्य की हत्या' को कलंक कहा गया है।

Q.29. रैदास के पदों की क्या विशेषता है?

❑ संक्षिप्त या व्याख्यामूलक प्रश्न (60 शब्दों में उत्तर दें) ❑

नोट : इस प्रकरण के अन्तर्गत 3 अंकों के चार प्रश्न पूछे जायेंगे जो खण्ड 'क' और खण्ड 'ख' में बंटा होगा। प्रत्येक खण्ड से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न माध्यमिक परीक्षा में प्रश्न संख्या 3 होगा।

1. चल रहा महाभारत का रण, जल रहा धरित्री का सुहाग,
फट कुरुक्षेत्र में खेल रही, नर के भीतर की कुटिल आग।

(i) प्रस्तुत अंश के कवि कौन हैं?

उ० : प्रस्तुत अंश के कवि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह हैं जिनका उपनाम 'दिनकर'।

(ii) प्रस्तुत अंश के पाठ का क्या नाम है?

उ० : प्रस्तुत अंश के पाठ का नाम 'मनुष्य और सर्प' है।

(iii) 'धरित्री का सुहाग' से क्या तात्पर्य है?

उ० : धरित्री का सुहाग से तात्पर्य धरित्री पर उपस्थित उन सभी वस्तुओं से है जो पृथ्वी की सम्पन्नता और सुन्दरता में वृद्धि करते हैं।

(iv) 'कुटिल आग' से क्या तात्पर्य है?

उ० : 'कुटिल आग' से तात्पर्य कपट से है। कपट आग से तात्पर्य उस आक्रोश से है जो कपट से पैदा होकर एक दूसरे का विनाश कर रहे हैं।

(v) प्रस्तुत पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

उ० : प्रस्तुत पंक्तियाँ महाभारत के भीषण युद्ध के परिणाम को बता रही हैं। महाभारत का भीषण विनाशकारी युद्ध चल रहा है। इस युद्ध का कारण मनुष्य के मन में पैदा हुई कुटिलता है। युद्ध विनाश ही करता है और महाभारत के युद्ध के कारण पृथ्वी की सम्पन्नता समाप्त हो रही है।

2. दोनों रण-कुशल धनुर्धर नर, दोनों सम बल, दोनों समर्थ,
दोनों पर दोनों की अमोघ, थी विशिख वृष्टि हो रही व्यर्थ।

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

उ० : पाठ – 'मनुष्य और सर्प'। कवि – राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर'।

(ii) 'दोनों' शब्द से तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

उ० : 'दोनों' शब्द से तात्पर्य दो सहोदर भाइयों, दो प्रतिद्वन्द्वियों, दोनों सेनाओं के दो हीरो कर्ण और अर्जुन से है।

(iii) उपर्युक्त पद की व्याख्या कीजिए।

उ० : प्रस्तुत पंक्तियों में कर्ण और अर्जुन की समानता दिखाई गई है। अर्जुन और कर्ण दोनों एक ही मां के लाल थे, पर अनजान में ये दोनों एक-दूसरे के जानलेवा दुश्मन हो गये थे। इसके बावजूद दोनों में समानताएं थीं, दोनों कर्ण और अर्जुन रण में समान रूप से कुशल थे, बल और समार्थ्य में भी दोनों एक ही समान थे। दोनों पर दोनों अचूक वाणों की वर्षा कर रहे थे, पर दोनों के वाणों से जो अग्नि की वर्षा हो रही थी, वह दोनों के आक्रमण-प्रत्याक्रमण को व्यर्थ कर रही थी।

3. कहता कि 'कर्ण! मैं अश्वसेन, विश्रुत भुजंगों का स्वामी हूँ,
जन्म से पार्थ का शत्रु परम, तेरा बहुविधि हितकामी हूँ।

(i) प्रस्तुत अंश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

उ० : पाठ – 'मनुष्य और सर्प'। कवि – राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर'।

(ii) उपर्युक्त कथन कौन कहता है?

उ० : यह कथन अश्वसेन कहता है।

(iii) जन्म से कौन, किसका और क्यों शत्रु है?

उ० : जन्म से ही अश्वसेन अर्जुन का शत्रु है। हस्तिनापुर एक वन था। इसे वन से राजधानी में परिवर्तित करने के लिए अर्जुन ने अपने अग्नि वाणों से इन वन का समूल नाश हो गया। इससे तक्षक जाति के सर्पों का विनाश हो गया। इसीलिए तक्षक वंश का सर्प अश्वसेन अर्जुन का दुश्मन हो गया।

(iv) प्रस्तुत अंश की व्याख्या कीजिए।

उ० : प्रस्तुत अंश में सर्पराज अश्वसेन कर्ण से कहता है, "हे महावीर कर्ण! मेरा नाम अश्वसेन है, मैं भुजंगों का प्रसिद्ध स्वामी हूँ। मैं जन्मजात अर्जुन का शत्रु हूँ और तुम्हारे हित के लिए मैं तुम्हारे पास आया हूँ।"

4. कर वमन गरल जीवन-भर का, संचित प्रतिशोध उतारूँगा,
तू मुझे सहारा दे, बढ़कर मैं अभी पार्थ को मारूँगा।

(i) प्रस्तुत अंश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

उ० : पाठ – 'मनुष्य और सर्प'। कवि – राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर'।

(ii) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है?

उ० : प्रस्तुत कथन का वक्ता सर्पों का स्वामी अश्वसेन है।

(iii) प्रस्तुत कथन की व्याख्या कीजिए।

उ० : खाण्डव वन की सफाई के समय अर्जुन ने तक्षक वंश का नाश कर दिया था, अत: तक्षक वंशीय अश्वसेन अर्जुन का दुश्मन हो गया था। प्रतिशोध की आग में जलता अश्वसेन कर्ण से कहता है कि बस एक बार आप धनुष पर मुझे चढ़ाकर लक्ष्य की ओर भेज दीजिए। मैं लक्ष्य पर पहुँचते ही अर्थात् अर्जुन के शरीर पर पहुँचते ही जीवन-भर का जो विष मेरे पास है, वह प्रतिशोध के रूप में अर्जुन के शरीर में उड़ेल दूँगा। आप मुझे थोड़ा सहारा भर दे दें, मैं अभी पार्थ का काम तमाम कर दूँगा।